मका की खेती। 1662

कृषि विभाग यू० पी० गवनंमेग्द की श्रोर से उपयोगी वताई हुई।

वावू रामप्रसाद सव-जज्ज एन्ड डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट नीमच गवालियर गवर्नभेंट एप्रिक्तवरत डिप्नोमिस्ट आई० सी० एव० लवडन

लिखित।

मका की खेती के पर्चे में ग्रन्थ-कत्ता को श्राई० सी०स्कृत तगड़न से ६= प्रति शत मार्क मिले हैं।

सर्व-स्वत्व-रचित् ।

कुँ वर हनुमन्त सिंह रघुवंशी के प्रबन्ध से राजपृत ऐंग्लो श्रोरियगटल प्रेस श्रागरा में मुद्रित।